नटखट ललना झूल रहा पलना कृष्ण भजन लिरिक्स

नटखट ललना झूल रहा पलना,
यशोदा के अंगना रे,
खेल रहा ललना रे।bd।

आयी भादों महीने की,
रात अंधियारी,
जनम लियो कृष्णा रे,
यशोदा के अंगना रे,
नटखट ललना झुल रहा पलना,
यशोदा के अंगना रे,
खेल रहा ललना रे।bd।

रात है जनम अष्टमी वाली,
नाच मेरी बहना रे,
यशोदा के अंगना रे,
नटखट ललना झुल रहा पलना,
यशोदा के अंगना रे,
खेल रहा ललना रे।bd।

दर्शन को आए शिव कैलाशी,
मिट गई तृष्णा रे,
यशोदा के अंगना रे,
नटखट ललना झुल रहा पलना,
यशोदा के अंगना रे,
खेल रहा ललना रे।bd।

भीड़ लगी है नन्द के द्वारे,
देने बधईया रे,
यशोदा के अंगना रे,
नटखट ललना झुल रहा पलना,
यशोदा के अंगना रे,
खेल रहा ललना रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सज गई सारी गोकुल नगरी,
बाजे चूड़ी कंगना रे,
यशोदा के अंगना रे,
नटखट ललना झुल रहा पलना,
यशोदा के अंगना रे,
खेल रहा ललना रे।bd।

नटखट ललना झूल रहा पलना,
यशोदा के अंगना रे,
खेल रहा ललना रे।bd।

Singer – Moksh Gulati

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com